नए तेवर ◆ गेहूं व चीनी के वायदा कारोबार पर रोक की संभावना

महंगाई पर वार की तैयारी

मानसून की बेरुखी के चलते खाद्य कीमतों में आई तेजी पर पीएमओ सक्रिय

आर एस राणा ◆ नई दिल्ली

मानसून की बेरुखी से खाद्य कीमतों में आई तेजी पर पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) सक्रिय हो गया है। इसकी गाज कुछ जिंसों के वायदा कारोबार पर भी गिर सकती है। गेहूं और चीनी की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए इनके वायदा कारोबार पर रोक लगाई जा सकती है। इसके लिए वायदा बाजार आयोग (एफएमसी) के चेयरमैन रमेश अभिषेक को गुरुवार को दिल्ली बुलाया गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार के मंत्रालय नहीं आने से सूखे की स्थिति से निपटने के उपायों की जिम्मेदारी भी खाद्य मंत्री के कंधों पर डाली गई है।

खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मानसूनी वर्षा कम होने का असर खाद्यान्नों की कीमतों पर पड़ रहा है। फुटकर बाजार में चीनी के दाम बढ़कर 38 से 40 रुपये प्रति किलो हो गए हैं, जबकि गेहूं के थोक दाम उत्पादक मंडियों में अब 1,300 से 1,350 रुपये प्रति क्विंटल हो गए हैं। केंद्रीय पूल में गेहूं का रिकॉर्ड स्टॉक पहली जुलाई को 498 लाख टन होने के बावजूद कीमतों में आई तेजी ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है इसलिए गेहूं और चीनी के वायदा कारोबार पर भी रोक लगाई जा सकती है। इसके अलावा चना, सरसों और सोया तेल तथा आलू के वायदा कारोबार भी विचार किया जाएगा इसलिए एफएमसी चेयरमैन को दिल्ली बुलाया गया है।

वायदा बाजार में महीने भर में गेहूं की कीमतों में 19.5 फीसदी और चीनी की कीमतों में 15.3 फीसदी की तेजी आई है। एनसीडीएक्स पर अगस्त महीने के वायदा अनुबंध में गेहूं का दाम 25 जून को 1164 रुपये प्रति क्विंटल था, जबकि बुधवार को 1391 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। अगस्त महीने के वायदा अनुबंध में चीनी का भी दाम बढ़कर बुधवार को 3375 रुपये प्रति क्विंटल हो गया, जबकि 25 जून को इसका भाव 2926 रुपये प्रति क्विंटल था। चना, सरसों, सोया तेल और आलू वायदा की कीमतों में भी इस दौरान भारी तेजी आई है।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने खाद्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रो. के वी थॉमस से खाद्यान्न की कीमतों पर निगरानी के लिए हर सप्ताह स्थिति की समीक्षा करने को कहा है। उधर केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार पिछले चार-पांच दिनों से मंत्रालय नहीं आ रहे हैं, जबकि देश में सूखे जैसे हालात बने हुए है। ऐसे में सूखे की स्थिति से निपटने के उपायों की जिम्मेदारी भी प्रो.थॉमस को सौंपी गई है। इसी कड़ी में गुरुवार को खाद्य मंत्री ने संबंधित मंत्रालय के सचिवों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में कृषि सचिव, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी सचिव और खाद्य सचिव के अलावा उपभोक्ता मामले मंत्रालय के सचिव शामिल होंगे।

आज विशेष बैठक

सूखे की स्थिति से निपटने के उपायों पर खाद्य मंत्री ने संबंधित मंत्रालयों के सचिवों की आज बुलाई बैठक

इन पर होगा विचार

चना, सरसों व सोया तेल और आलू के वायदा कारोबार पर भी विचार किया जाएगा

किसे किया तलब

वायदा बाजार आयोग (एफएमसी) के चेयरमैन रमेश अभिषेक को आज दिल्ली बुलाया गया है

किसके दाम कितने बढ़े

वायदा बाजार में महीने भर में गेहूं की कीमतों में 19.5% व चीनी के मूल्य में 15.3% की आई है तेजी

अभी किस पर बैन नहीं

गेहूं, चीनी, सोया ऑयल, सरसों बीज, सोयाबीन वगैरह के वायदा कारोबार की इजाजत मिली हुई है

अभी किस पर बैन

उड़द, अरहर व चावल के वायदा कारोबार पर

अगले माह प्याज निर्यात पर लगेगा एमईपी!

नई दिल्ली ◆ प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार इसके निर्यात पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लगाने पर विचार कर रही है। उपभोक्ता मामला मंत्रालय ने अगस्त महीने से प्याज के निर्यात पर 100 डॉलर प्रति टन की दर से एमईपी लगाने की सिफारिश की है। उपभोक्ता मामला मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मानसूनी वर्षा कम होने का असर प्याज की कीमतों पर भी पड़ रहा है। फुटकर बाजार में प्याज के दाम बढ़कर 15 से 20 रुपये प्रति किलो हो गए हैं, इसलिए इसके निर्यात पर 100 डॉलर प्रति टन की दर से एमईपी लगाने की सिफारिश की गई है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान प्याज का निर्यात बढ़कर 4,61,854 टन के स्तर पर पहुंच गया। (ब्यूरो)